

जी 20 सम्मेलन जिनपिंग की अनुपस्थिति

जी 20 सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अनुपस्थिति के कारणों पर अफवाहों का बाहर गर्म है। औपचारिक घोषणा से पहले ही आर्थिक सहयोग के महत्वपूर्ण वैश्विक मंच जी 20 सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा अनुपस्थित रहने का निर्णय अचानक आया और यह समझ से पैर है। हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन भी आयोजन में उपस्थित नहीं रहेंगे, पर उनकी अनुपस्थिति को वर्तमान समय में जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते समझा जा सकता है। लेकिन चीनी राष्ट्रपति की अनुपस्थिति से लोगों की भौंहें चढ़ गई हैं और इसके प्रभावों पर अनेक अनुमान लगाए जा रहे हैं। चीन दुनिया की एक महत्वपूर्ण आर्थिक शक्ति है और जी 20 चर्चाओं में उसकी प्रमुख भूमिका है। इसलिए शी जिनपिंग की अनुपस्थिति यह चिनाजनक संकेत देती है कि चीन विश्व मंच पर अपनी परंपरागत सक्रिय भूमिका से संभवतः पीछे हट रहा है। एक और तरफ यह है कि अंतर्राष्ट्रीय मामलों में अनेक दूसरों के कारण अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन इस अवसर का लाभ उठा कर जिनपिंग की बिंचार्ह कर सकते हैं। शायद जिनपिंग यह संदेश भी देना चाहते हैं कि चीन को परिचय-प्रयोजित मंच की आवश्यकता नहीं है या वह उनके अद्देशों का पालन करने को बाध्य नहीं है। यह अपने प्रति अमेरिकी नीतियों का विरोध प्रदर्शित करने का भी एक तरीका है। लेकिन शी जिनपिंग की अनुपस्थित चीन की 'बहुआयामवाद' के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करती है। हालांकि, चीनी प्रधानमंत्री सम्मेलन में भाग ले सकते हैं, पर सभी जानते हैं कि

चीन सरकार में कितना केन्द्रीकरण है। लेकिन यह सोचना बहुत दूर की कोई है कि शी के निर्णय का संबंध भारत के आवश्यक होने से है। हालांकि, खासकर द्वारा अरुणाचल प्रदेश को अपना क्षेत्र घोषित करने के बाद से द्विक्षीय संबंधों पर बहुत दबाव है, पर राजनीतिक रूप से किसी वैश्विक आयोजन में भाग न लेने का विकल्प ही यह कोई कारण हो सकता है। विशेष रूप से यह कह कर बहुत महत्व नहीं दिया है कि देशों द्वारा अपनाए दृष्टिकोण का इसकी तुलना में ज्यादा महत्व है कि उनका प्रतिनिधित्व करने का रहा है। शी की अनुपस्थिति का एक और कारण वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव हो सकते हैं। चीन भारत समेत अनेक पूर्वीसियों के साथ कई विवारों में उलझा है और अमेरिका तथा अन्य परिचयीय देशों के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा जी 20 में भाग न लेने का एक कारण यह भी हो सकता है कि वे राजनीतिक रूप से विश्व मंच पर सभावित टकराव या आलोचना से बचना चाहते हैं। लेकिन ऐसे आयोजनों से अनुपस्थित रह कर देश तनाव बढ़ाने तथा शांतिपूर्ण समाज के खोले उठाने की उड़ान चाहते हैं। इसके साथ चीन की अनुपस्थिति जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने में उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करती है। जी 20 जलवायु परिवर्तन पर चर्चा का महत्वपूर्ण केन्द्र है जहां देश उत्सर्जन घटाने तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के प्रति प्रतिबद्धता करते हैं। राष्ट्रपति शी की अनुपस्थिति इन लक्ष्यों पर चीजों की प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करती है जो जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जरूरी है। शायद जी 20 सम्मेलन में अनुपस्थित रहने के उनके निर्णय का जी 20 सम्मेलन पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा, पर इससे वैश्विक सहयोग, बहुआयामिता तथा महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का समाना करने में चीन की प्रतिबद्धता पर सवाल जरूर खड़े होते हैं। दुनिया गौर से देख रही है कि उनकी अनुपस्थिति से जी 20 सम्मेलन तथा वैश्विक सहयोग की भावी गतिशीलता पर क्या प्रभाव पड़ेगा।



द्वारा अपनाए दृष्टिकोण का इसकी तुलना में ज्यादा महत्व है कि उनका प्रतिनिधित्व करने का रहा है। शी की अनुपस्थिति का एक और कारण वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव हो सकते हैं। चीन भारत समेत अनेक पूर्वीसियों के साथ कई विवारों में उलझा है और अमेरिका तथा अन्य परिचयीय देशों के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा जी 20 में भाग न लेने का एक कारण यह भी हो सकता है कि वे राजनीतिक रूप से विश्व मंच पर सभावित टकराव या आलोचना से बचना चाहते हैं। लेकिन ऐसे आयोजनों से अनुपस्थित रह कर देश तनाव बढ़ाने तथा शांतिपूर्ण समाज के खोले उठाने की उड़ान चाहते हैं। इसके साथ चीन की अनुपस्थिति जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने में उसकी प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करती है। जी 20 जलवायु परिवर्तन पर चर्चा का महत्वपूर्ण केन्द्र है जहां देश उत्सर्जन घटाने तथा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के प्रति प्रतिबद्धता करते हैं। राष्ट्रपति शी की अनुपस्थिति इन लक्ष्यों पर चीजों की प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करती है जो जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिए जरूरी है। शायद जी 20 सम्मेलन में अनुपस्थित रहने के उनके निर्णय का जी 20 सम्मेलन पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा, पर इससे वैश्विक सहयोग, बहुआयामिता तथा महत्वपूर्ण वैश्विक चुनौतियों का समाना करने में चीन की प्रतिबद्धता पर सवाल जरूर खड़े होते हैं। दुनिया गौर से देख रही है कि उनकी अनुपस्थिति से जी 20 सम्मेलन तथा वैश्विक सहयोग की भावी गतिशीलता पर क्या प्रभाव पड़ेगा।



डॉ मुरली धर सिंह शास्त्री
(लेखक, उत्तर सरकार के अधीन प्रथम ब्रेंडी अधिकारी हैं)

भा रतीय परांग के अनुसार 6 सितंबर को जन्माष्टी लग रही है इसलिए गृहस्थ लोग एवं भक्तजन 6 सितंबर को मनायेंगे तथा वैष्णव महात्मा गण उदया तिथि को मनाते हुये 7 सितंबर 2023 को मनायेंगे। भगवान श्रीकृष्ण के मुख्य तीर्थ मथुरा वृद्धावन, द्वारिका एवं जगन्नाथपुरी इन स्थानों पर जन्माष्टी का त्योहार 7 सितंबर 2023 को ही मनाया जायेगा। भगवान् श्रीकृष्ण के जन्माष्टी को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 6 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 7 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 8 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 9 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 10 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 11 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 12 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 13 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 14 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 15 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 16 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 17 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 18 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 19 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 20 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 21 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 22 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 23 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 24 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 25 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 26 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 27 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 28 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 29 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 30 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 31 सितंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 1 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 2 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 3 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 4 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 5 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 6 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 7 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 8 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 9 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 10 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 11 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 12 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 13 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 14 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 15 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 16 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 17 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 18 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 19 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 20 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 21 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 22 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 23 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 24 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 25 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 26 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 27 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 28 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 29 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 30 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 31 अक्टूबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 1 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 2 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 3 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 4 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 5 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 6 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 7 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 8 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 9 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 10 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 11 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 12 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 13 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 14 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 15 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 16 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 17 नवंबर को जन्माष्टी लगाए अपने भक्तजन 18 नवंबर को जन्माष्टी लगाए

